Cb – प्रेरितों पुनः यीशु से जुड़ गए यूहन्ना ४:२७-३८ | 1

– Save This Page as a PDF–

तों पुनः यीशु से जुड़ गए

यूहन्ना ४: २७-३८

खोदाई: यीशु को एक सामरी स्त्री से बात करते देख बारह लोग आश्चर्यचकित क्यों हो गए? उसने अपना पानी का जार क्यों छोड़ दिया? मसीहा की वाणी को एक बार फिर गलत कैसे समझा गया (देखें योचनन २:१९, ३:३ और ४:१०)? वह ऐसा क्यों बोलता रहता है? किस प्रकार परमेश्वर की इच्छा उसके लिए भोजन के समान है?

चिंतन: इस सप्ताह आध्यात्मिक चीज़ों में आपकी रुचि को ध्यान में रखते हुए, क्या आप टैल्मिडिम या महिला की तरह अधिक रहे हैं? क्यों? क्या चीज़ आपको प्रभु के साथ चलने से विचलित करती है? ईश्वर की इच्छा पूरी करने से आपके जीवन में वही आवश्यक चीजें कैसे मिलती हैं जो भोजन से मिलती हैं? श्लोक ३५-३८ के दृष्टांत से आप साक्षी होने के बारे में क्या सीखते हैं?

प्रेरित अपने और अपने रब्बी के लिए कुछ भोजन लेने के लिए शहर में गए थे। प्रभु सुसमाचार प्रचार के उद्देश्य से इस सामरी महिला के साथ कुछ समय अकेले बिताना चाहते थे। यदि वे रुके होते तो वे केवल रास्ते में होते। लेकिन अब इसका मकसद पूरा हो चुका था. ग्रेस ने शानदार जीत हासिल की थी.

तभी उसका शिष्य वापस आया और यीशु को एक महिला के साथ बात करते हुए देखकर स्पष्ट रूप से आश्चर्यचकित हो गया। महिलाओं के प्रति यहूदी धारणा बहुत अपमानजनक थी। रब्बियों ने सिखाया कि किसी भी पुरुष को सड़क पर किसी महिला के साथ बात नहीं करनी चाहिए, यहां तक कि अपनी पत्नी के साथ भी नहीं, और विशेष रूप से किसी अन्य महिला के साथ नहीं। लेकिन इससे भी अधिक, रब्बियों ने कहा कि प्रत्येक पुरुष जो किसी महिला से बात करता है वह खुद को नुकसान पहुंचाता है, टोरा को समाप्त कर देता है, और, अंतिम विश्लेषण में, गेहिनोम को विरासत में मिलता है। यहूदी सामाजिक मानदंडों का यह स्पष्ट उल्लंघन प्रेरितों के लिए बेहद अजीब हो सकता था, सामरी महिला की तो बात ही छोड़ दें। परन्तु किसी ने नहीं पूछा, “तुम क्या चाहते हो?” या “तुम उससे क्यों बात कर रहे हो” (यूहन्ना ४:२७)? एक सामरी पुरुष से बात करना बहुत बुरा था, एक सामरी महिला की तो बात ही छोड़ दें!

फिर, वह स्त्री अपना पानी का घड़ा छोड़कर नगर में वापस चली गई (योचनान ४:२८ए)। वह शारीरिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए पानी के लिए कुएं पर आई थी। लेकिन जब उसे अनन्त जीवन का जीवित जल मिला (यूहन्ना ४:१४b), तो उसे इसकी कोई आवश्यकता नहीं

Cb – प्रेरितों पुनः यीशु से जुड़ गए यूहन्ना ४:२७-३८ | 2

रही। आज भी वैसा ही है. एक बार जब हम येशुआ को स्पष्ट रूप से समझ लेते हैं; एक बार आत्मा की आध्यात्मिक स्पष्टता का क्षण आता है; एक बार जब वह हमारे परमेश्वर और उद्धारकर्ता के रूप में जाना और स्वीकार किया जाता है, तो उस चीज़ से विमुख हो जाएगा जिस पर हमारा दैहिक मन पहले से केंद्रित था। उसका मन मसीह पर था और उसे कुएँ, पानी या अपने घड़े का कोई ख्याल नहीं था। मसीहा की महिमा तब उसका एकमात्र लक्ष्य था। उसका एक ही उद्देश्य था क्योंकि वह उसे जानती थी, किसी दूसरे हाथ के स्रोत से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत अनुभव से। तुरन्त ही औरों को बताने लगी।



उनकी प्रतिक्रिया नए विश्वासियों के लिए
विशिष्ट थी, जो प्रामाणिक आस्था के प्रमाणों में से एक थी। जिस व्यक्ति पर अभी- अभी पाप और अपराध का बोझ उतरा है वह सदैव दूसरों के साथ शुभ समाचार बाँटना चाहता है। महिला की उत्तेजना स्पष्ट रही होगी। अब वह अपने पाप के तथ्यों से बच नहीं रही थी। वह बिना किसी शर्म के क्षमा की चमक का आनंद ले रही थी। और उसने लोगों से कहा, “आओ, एक आदमी को देखो जिसने मुझे वह सब कुछ बताया जो मैंने किया था।” यह ऐसा था जैसे वह उसके मन को पढ़ सकता था। “क्या यह मसीहा हो सकता है,” उसने पूछा (यूहन्ना ४:२८बी-२९)?” इस वाक्य की यूनानी रचना नकारात्मक उत्तर की आशा करती है। यह ऐसा था मानो वह कह रही हो, “वह संभवतः मसीहा नहीं हो सकता, क्या वह हो सकता है?” फिर, हालाँकि, सामरी महिला ने यह सुझाव देने के लिए सबूत पेश किया कि वह वास्तव में येशुआ को मेशियाक मानती थी।

महिला के साथ यीशु की चर्चा और शहर के बाकी लोगों के लिए उनकी सेवा के बीच का अंतराल हमें यह देखने की अनुमति देता है कि यूहन्ना ने इस घटना को अपने सुसमाचार में क्यों शामिल किया है। यीशु को उस महिला को छुड़ाने के लिए सामरिया से गुजरना पड़ा (योचनान ४:४), जो अपनी गवाही के साथ उसके पूरे शहर को मसीह के पास ले आई। लेकिन, उतना ही महत्वपूर्ण, उसे इंजीलवाद में अपने तालिमिडिम महत्वपूर्ण प्रशिक्षण देने के लिए सामरिया से गुजरना पड़ा। पृथ्वी पर आने और अपने प्रेरितों को बुलाने का यही प्रभु का उद्देश्य था। इसके अलावा, यह नए साम्राज्य के पहले नियम पर एक ठोस सबक था: परमेश्वर के वचन का पालन करना किसी भी मात्र भौतिक आवश्यकता को पूरा करने की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण और अधिक संतोषजनक है (व्यवस्था विवरण ८: ३; मत्ती ४: ४; लुका ४: ४) .

छंद ३१-३८ एक कोष्ठक बनाते हैं और हमें बताते हैं कि उस अंतराल के दौरान क्या हुआ

Cb – प्रेरितों पुनः यीशु से जुड़ गए यूहन्ना ४:२७-३८ | 3

था जब महिला कुएं से निकल रही थी और सामरी लोग उसके बारे में उसकी गवाही के कारण मसीह के पास आ रहे थे (Cc देखें – कई सामरी विश्वास करते हैं)। वे प्रत्यक्ष विवरण दर्ज करते हैं जो प्रभु और उनके शिष्यों के बीच हुआ था। वे उस महिला, एक कुख्यात पापिनी, को उसके पांच पतियों के बारे में उनकी समापन टिप्पणियाँ सुनने के लिए लौटे थे और इसका उस पर क्या प्रभाव पड़ा था जब वह सूखार शहर में प्रचार करने के लिए भाग गई थी।

दिन के कुछ समय पहले प्रेरितों ने गलील के रब्बी को लंबी यात्रा से थककर कुएँ पर बैठे हुए छोड़ दिया था। इस बीच, वे चले गए, कुछ खाना खरीदा और उसके साथ लौट आए। लेकिन उन्होंने इसके लिए कोई इच्छा नहीं दिखाई. मेशियाच को थका हुआ और बेहोश खोजने के बजाय, बारहों ने पाया कि वह नई ऊर्जा से भरा हुआ है। उसे ऐसी जीविका प्राप्त हुई थी जिसे वे समझ नहीं सकते थे। फिर भी, वे कायम रहे और उससे आग्रह करते हुए कहा: रब्बी, कुछ खाओ (यूहन्ना ४:३१)। उसके शब्दों ने उन्हें हैरान कर दिया। वह भूखा क्यों नहीं था?

यीशु एक बार फिर भौतिक से आध्यात्मिक की ओर चले गये। उसके पास पहले से ही उसका आध्यात्मिक भोजन था। परन्तु उस ने उन से कहा, मेरे पास खाने को ऐसा भोजन है, जिसके विषय में तुम कुछ नहीं जानते (योचनन ४:३२)। मसीह का हृदय पोषित हो चुका था। उसकी आत्मा में स्फूर्ति आ गई थी। उपहारों के महान दाता ने स्वयं एक प्राप्त किया था। शांति और आनंद उस आशीर्वाद का एक हिस्सा है जो परमेश्वर की इच्छा पूरी करने से मिलता है। और आज्ञाकारी आस्तिक को वह प्राप्त होता है जिसे संसार नहीं समझ सकता। यह उनके शिष्यों के लिए सीखने योग्य क्षण था।

इसलिये बारहों ने एक दूसरे से कहा, क्या कोई उसके लिये भोजन ला सकता था? वे आध्यात्मिक के बजाय भौतिक के बारे में सोच रहे थे। यीशु ने कहा: मेरा भोजन उस की इच्छा पूरी करना और उसका काम पूरा करना है (यूहन्ना ४:३३-३४)। वाक्य में मेरा शब्द सशक्त स्थिति में है। यीशु ने जो कार्य किया वह मात्र मानवीय कार्य नहीं था। यह परमेश्वर द्वारा भेजा गया व्यक्ति था। यूहन्ना के गॉस्पेल में अक्सर, राजाओं का राजा घोषणा करता है कि वह जो काम करता है वह वह है जो पिता को उससे कराना है (योचनान ५:३०, ६:३८, ७:१८, ८:५०, ९:४, १०: ३७, १२:४९-५०, १४:३१, १५:१०, १७:४)। परमेश्वर का हृदय उन लोगों तक पहुंचने के लिए उत्सुक है जो उसे नहीं जानते हैं। इसी ने पीड़ित नौकर को प्रेरित किया। वास्तव में, समाप्त करने की क्रिया (ग्रीक: टेलीइओसो), यूहन्ना १९:३० में क्रूस पर प्रयुक्त क्रिया के समान है जब यीशु ने चिल्लाकर कहा था: यह समाप्त हो गया है (ग्रीक: टेटेलेस्टाई)।

वह ईश्वर द्वारा भेजा गया था। यूहन्ना बार-बार येशु को हाशेम द्वारा भेजे जाने की बात करता है। भेजने के लिए प्रेरित लेखक दो ग्रीक शब्दों का उपयोग करता है। एपोस्टेलिन है, जिसका उपयोग सत्रह बार किया जाता है, और पेम्पेइन, जिसका उपयोग सत्ताईस बार किया जाता है। तो योचानान में चौवालीस बार ऐसे स्थान हैं जहाँ प्रभु

Cb – प्रेरितों पुनः यीशु से जुड़ गए यूहन्ना ४:२७-३८ | 4

भेजे जाने की बात करते हैं। गैलीलियन रब्बी वह था जो आदेशों के अधीन था। वह परमेश्वर का आदमी था.

क्या आप यह कहावत नहीं दोहराते, “चार महीने और हैं और फिर फसल आएगी?” यहूदी कृषि वर्ष को छह, दो महीने, अवधियों में विभाजित किया गया था: (अक्टूबर-नवंबर) बीज का समय, (दिसंबर-जनवरी) सर्दी, (फरवरी-मार्च) वसंत, (अप्रैल-मई) फसल, (जून-जुलाई) गर्मी, और (अगस्त-सितम्बर) अत्यधिक गर्मी का समय। दूसरे शब्दों में, वह कह रहा था, “आपके पास एक कहावत है; यदि आप बीज बोते हैं, तो आपको फसल शुरू करने और काटने की उम्मीद करने से पहले कम से कम चार महीने तक इंतजार करना होगा। सीचर अपने मक्के के लिए प्रसिद्ध क्षेत्र में है। पथरीले, चट्टानी फ़िलिस्तीन में कृषि भूमि बहुत सीमित थी; व्यावहारिक रूप से देश में कहीं भी कोई ऊपर उठाकर सुनहरे मक्के के लहलहाते खेत नहीं देख सकता। जैसे ही यीशु ने ऊपर दृष्टि की, उसने सामरियों को नगर से बाहर आते और पहाड़ी पर चढ़कर उसकी ओर आते देखा। कटाई के समय कुछ फसलें सफेद होती हैं, मकई तो निश्चित रूप से नहीं। तो ऐसा लगता है कि सामरियों ने सफेद वस्त्र पहने हुए थे, जो सुनहरे मकई और नीले आकाश के सामने खड़े थे। जैसे ही प्रभु ने अपनी दृष्टि और अपना हाथ चारों ओर घुमाया, उन्होंने कहा: मैं तुमसे कहता हूं, ऊपर देखो और देखो कि फसल के लिए खेत पहले से ही सफेद हैं (यहां इस्तेमाल किया गया ग्रीक शब्द सफेद है, ल्यूकोस, “पका हुआ” नहीं जैसा कि कुछ ने अनुवाद किया है) (यूहन्ना ४:३५ नेट)! इसे विकसित होने में चार महीने लगे थे; परन्तु सामरिया में फसल काटने का समय आ गया था! और यह वह फसल थी जिसे वह अपने शिष्यों को दिखाना चाहता था। लंबे समय से प्रतीक्षित मसीहा आ गया था। परमेश्वर का समय अब था. वचन अवश्य बोया जाना चाहिए, और आध्यात्मिक फसल उनकी प्रतीक्षा कर रही थी, जैसा कि उन्होंने अपनी आँखों के सामने देखा था।

यह सुसमाचार प्रचार १०१ था जिसे यीशु ने अपने प्रेरितिक महाविद्यालय में पढ़ाया था। उसने कहा: अब भी जो काटता है, वह मजदूरी पाता है, और अनन्त जीवन के लिये फसल काटता है, ताकि बोनेवाला और काटनेवाला दोनों मिलकर आनन्द करें। (योचनन ४:३६) इस्राएलियों के लिए बुआई एक दुखद और कमर तोड़ देने वाला समय था; यह फसल थी जो आनंद का समय था। जो आंसुओं के साथ बोते हैं, वे आनन्द के गीत गाकर काटेंगे। जो लोग बोने के लिये बीज लिये हुए रोते हुए निकलते हैं, वे पूलियां लिये हुए आनन्द के गीत गाते हुए लौटेंगे। (भजन १२६:५-६) इस नये आध्यात्मिक भोजन के कारण एक अविश्वसनीय बात घटित हुई थी। बीज बोने वाला और फसल काटने वाला एक ही समय में आनन्द मना सकते थे।

इस प्रकार एक और कहावत है, और यह बिल्कुल सच है, “एक बोता है और दूसरा काटता है” (यूहन्ना ४:३७)। फिर हमारे उद्धारकर्ता ने दो आवेदन किये। सबसे पहले, उन्होंने कहा: मैंने तुम्हें वह फल प्राप्त करने के लिए भेजा है जिसके लिए तुमने काम नहीं किया है। प्रभु ने अपने शिष्यों से कहा कि वे ऐसी फसल काटेंगे जो उनके श्रम से पैदा नहीं हुई होगी। इससे मसीहा का मतलब था कि वह बीज बो रहा था। एक दिन आएगा जब

Cb – प्रेरितों पुनः यीशु से जुड़ गए यूहन्ना ४:२७-३८ | 5

प्रेरित दुनिया में जाएंगे और फसल काटेंगे जो येशुआ के जीवन और मृत्यु ने बोई थी।

और दूसरी बात, दूसरों ने कठिन परिश्रम किया है, और तुम्हें उनके परिश्रम का फल मिला है (योचनन ४:३८)। नाज़रीन ने बारहों से कहा कि एक दिन ऐसा आएगा जब वे बोएँगे और दूसरे उनके पीछे काटेंगे। एक समय ऐसा आएगा जब विश्वास करने वाले अवशेष श्रमिकों को खेत में भेजेंगे लेकिन वे कभी फसल नहीं देखेंगे। उनमें से कुछ शहीदों के रूप में मरेंगे, लेकिन जैसा कि दूसरी शताब्दी के चर्च फादर टर्टुलियन ने एक बार कहा था, “शहीदों का खून चर्च का बीज है।” यह ऐसा है मानो मसीह ने कहा हो, “एक समय आएगा जब तुम परिश्रम करोगे और देखोगे कि कुछ नहीं होगा। किसी दिन तुम बोओगे और फसल कटने से पहले ही मर जाओगे। परन्तु अपने मन को व्याकुल न होने दें (यूहन्ना १४:१)। बुआई व्यर्थ नहीं है; बीज बर्बाद नहीं होगा. अन्य लोग उस फसल के गवाह बनेंगे जो आपको देखने के लिए नहीं दी गई थी।’

सामरी महिला की गवाही का निस्संदेह सकारात्मक प्रभाव पड़ा। सूखार के लोग नगर से बाहर आये और यीशु की ओर पहाड़ी पर चढ़ गये। वे उस व्यक्ति की ओर अप्रतिरोध्य रूप से आकर्षित थे जो संभवतः उनका उद्धारकर्ता था (योचनान ४:३०)।

प्रेरितों ने कई दृष्टिकोणों का खुलासा किया जो हमें अक्सर फसल के खेतों में प्रवेश करने से रोकते हैं। सबसे पहले, हम पूर्वाग्रह या कट्टरता से दूर हो जाते हैं। जब प्रेरितों ने स्वामी को एक सामरी स्त्री से बात करते देखा, तो वे इसे स्वीकार नहीं कर सके। उनके लिए, वह सामाजिक सीढ़ी में सबसे नीचे, सबसे नीचे थी। जब हम स्वयं के प्रति सच्चे होते हैं, तो हमें इस तथ्य का सामना करना चाहिए कि हम दूसरों की तुलना में कुछ लोगों के उद्धार की अधिक परवाह करते हैं। और यद्यपि इसे स्वीकार करना कठिन है, हम आशा करते हैं कि कुछ घृणित, नीच आत्माएं कभी भी नरक के अंधेरे से नहीं बच पाएंगी। शुक्र है, हमारा रचयिता हमें योग्यता के पैमाने पर नहीं रखता। हम सभी मोक्ष के अयोग्य हैं (रोमियों ३:२३), फिर भी हम उससे समान रूप से प्रेम करते हैं।

दूसरा, हम जीवन के रोजमर्रा के विवरणों में व्यस्त रहते हैं। अपने रब्बी के उत्साह को नोटिस करने के लिए टैल्मिडिम भोजन के बारे में सोचना बंद नहीं कर सका। उन्होंने उसे यात्रा से थका हुआ, भूखा और प्यासा छोड़ दिया। लेकिन जब वे वापस लौटे, तो उन्होंने उसे ऊर्जा से भरपूर पाया। किसी भी व्यक्ति को, जो थोड़ा सा भी समझदार हो, भोजन को अलग रख देना चाहिए था और प्रभु से पूछना चाहिए था कि किस चीज़ ने उन्हें इतना ऊर्जावान बना दिया है, लेकिन उन अदूरदर्शी प्रेरितों से नहीं। हम अपना अधिकांश दिन जीवन की तथाकथित आवश्यकताओं से निपटने में बिताते हैं: अपने बच्चों की देखभाल करना, कार्यक्रम बनाए रखना, जीविकोपार्जन करना। यीशु के पास अपने सुसमाचार प्रचार के लिए एक रणनीतिक योजना थी। क्या आप? उन लोगों की “दस सर्वाधिक वांछित” सूची बनाएं जिनके लिए प्रार्थना करें और पवित्र आत्मा को

Cb – प्रेरितों पुनः यीशु से जुड़ गए यूहन्ना ४:२७-३८ | 6

कार्य करते हुए देखें।

तीसरा, हम कल के वादे से निष्क्रिय हो गए हैं। बारहों ने उनके बुलाने की तात्कालिकता की सराहना नहीं की। येशुआ ने अपने समय के किसानों के बीच एक लोकप्रिय कहावत का इस्तेमाल किया: चार महीने और हैं और फिर फसल आती है, ताकि उन्हें कार्रवाई में लगाया जा सके। उन्होंने कहा, वास्तव में, अब समय आ गया है! अब और इंतज़ार नहीं. लेकिन हम टालमटोल करते हैं. हम कल का अनुमान लगाते हैं। इस बीच मौत का तांडव जारी है. इसके अलावा, प्रभु के लौटने से पहले का समय धीरे-धीरे कम होता जा रहा है।